http://www.mgkvponline.com

[Total No. of Printed Pages 6]

8809

B.A. I Year (Exam. 2017-18)

Sub. : हिन्दी (Paper II)

उपन्यास, कहानी एवं निबन्ध

M.M. 100

ime : 3.00 Hrs.

ote : (1) Attempt all questions,
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

(2) Marks for each question are indicated in the right hand margin.
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके दाहिनी ओर अंकित हैं।

खण्ड 'अ'

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए - 1

(क) प्रत्येक देश का साहित्य उस देश के मनुष्यों के हृदय का आद रूप है। जो जाति जिस समय जिस भाव से परिपूर्ण या परिप् रहती है, वे सब उसके भाव उस समय के साहित्यिकी समालोच

P.T

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

से अच्छी तरह प्रकट हो सकती है। मनुष्य का मन जब शोक-संकुल, क्रोध से उद्दीप्त, या किसी प्रकार की चिन्ता से क्षोचिता रहता है तब उसकी मुखच्छवि तमसाच्छन्न, उदासीन और मलीन रहती है।

अथवा

जब किसी तरह न रह गया, तो उसने जबरा को धीरे से उठाया और उसके सिर को थपथपाकर उसे अपनी गोद में सुला लिया। कुत्ते की देह से जाने कैसी दुर्गन्ध आ रही थी, पर वह उसे अपनी गोद में चिपटाये हुए ऐसे सुख का अनुभव कर रहा था, जो इधर महीनों से उसे न मिला था। जबरा शायद यह समझा रहा था कि स्वयं यही है और हल्कू की पवित्र आत्मा में तो उसे कुत्ते के प्रति घृणा की गंध तक न थी।

(ख) बरामदे में पहुँचते ही शामनाथ सहसा ठिठक गए। जो दृश्य उन्होंने देखा, उससे उनकी टाँगें लड़खड़ा गयी और क्षण-भर में सारा नशा हिरन होने लगा। बरामदे में ऐन कोठरी के बाहर माँ अपनी कुर्सी पर ज्यों-की-त्यों बैठी थी। मगर दोनों पाँव कुर्सी की सीट पर रखे हुए और सिर दाएँ से बाएँ और बाएँ से दाएँ झूल रहा था और मुँह में से लगातार गहरे खर्राटों की आवाजें आ रही थीं। जब सिर कुछ देर के लिए टेढ़ा होकर एक तरफ को थम जाता, तो खर्राटें और भी गहरे हो उठते। 10

अथवा

नाटक उस वक्त पास होता है, जब रसिक समाज उसे पसंद कर लेता है। बारात का नाटक उस वक्त पास होता है, जब राह चलते आदमी उसे पसंद कर लेते है। नाटक की परीक्षा चार-पाँच घंटे

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

तक होती रहती है, बारात की परीक्षा के लिए केवल इतने मिनटों का समय होता है। सारी सजावट, सारी दौड़धूप और तैयारी का निबटारा पाँच मिनटों में हो जाता है। अगर उसके मुँह से वाह-वाह निकल गया, तो तमाशा पास नही तो! रुपया, मेहनत, फिक्र सब अकारथ।

(ग) महीनों से मन बेहद-बेहद उदास है। उदासी की कोई खास वजह नहीं, कुछ तबीयत ढीली, कुछ आस-पास के तनाव और कुछ उनसे टूटने का डर, खुले आकाश के नीचे भी खुलकर साँस लेने की जगह की कमी, जिस काम में लगकर मुक्ति पाना चाहता हूँ। उस काम में हजार बाधायें, कुल ले-देकर उदासी के लिए इतनी बड़ी चीज नहीं बनती। फिर भी रात नींद नहीं आती। दिन ऐसे बीतते हैं, जैसे भूतों के सपनों की एक रील पर दूसरी रील चढ़ा दी गई हो और भूतों की आकृतियाँ और डरावनी हो गई हों।

http://www.mgkvponline.com 10

अथवा

पुस्तकों में लिखे हुए नुसखों से तो और भी अधिक बदहजमी हो जाती है। सारे वेद और शास्त्र भी यदि घोलकर पी लिए जायँ तो भी आदर्श आचरण की प्राप्ति नहीं होती। आचरण की प्राप्ति की इच्छा रखने वाले को तर्क-वितर्क से कुछ भी सहायता नहीं मिलती। शब्द और वाणी तो साधारण जीवन के चोचले है।

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

खण्ड 'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2. अध्यापक पूर्ण सिंह की निबंध-कला पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'बसन्त आ गया है' निबन्ध की विशेषताओं को उद्‌घाटित कीजिए।

अथवा

'संस्कृति का शेषनाग' निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

3. 'गबन' उपन्यास में में मध्यमवर्गीय जीवन की मनोवैज्ञानिक प्रस्तुतियों का मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

'मानस का हँस' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि 'पूस की रात' कहानी प्रेमचंद के गहरे सामाजिक यथार्थबोध की कहानी है।

अथवा

हिन्दी कहानी के विकास में कमलेश्वर के योगदान का परिचय दीजिए।

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

खण्ड 'स'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 5×4=20

(क) हरिशंकर परसाई के गद्य-साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) जयशंकर प्रसाद की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'अकेली' कहानी के मूल संवेदन पर विचार कीजिए।

(घ) शिव प्रसाद सिंह के कथा-साहित्य में सांस्कृतिक बोध पर प्रकाश डालिए। http://www.mgkvponline.com

(ङ) महिला कथाकार के रूप में मन्नू भण्डारी का मूल्यांकन कीजिए।

(च) 'लोभ और प्रीति' निबन्ध का सारांश।

(छ) निबन्धकार के रूप में विद्यानिवास मिश्र का मूल्यांकन कीजिए।

(ज) जैनेन्द्र की कहानी-कला की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड 'द'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षेप उत्तर दीजिए : प्रत्येक 2 अंक

(अ) प्रेमचन्द की दो कहानियों का नामोल्लेख कीजिए।

http://www.mgkvponline.com
http://www.mgkvponline.com
http://www.mgkvponline.com

http://www.mgkvponline.com

(ब) 'अरुण' किस कहानी का पात्र है।

(स) प्रेमचन्द के दो उपन्यासों के नाम बताइए।

(द) श्यामनाथ की माँ के हाथ की बनी कौन सी वस्तु साहब को प्रिय लगी?

(य) नयी कहानी के प्रमुख चार लेखकों के नाम बताइए।

(र) किन्हीं दो ललित निबन्धकारों के नाम बताइए।

(ल) रामचन्द्र शुक्ल किस युग के निबन्धकार हैं।

(व) पुरस्कार कहानी में मधूलिका द्वारा अपने लिए मृत्यु-दण्ड माँगने का मूल कारक स्पष्ट करें।

(श) 'पाज़ेब' कहानी का मूल-प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ष) 'नयी कहानी' के शिल्प में आने वाले प्रमुख परिवर्तनों को रेखांकित कीजिए।

. . .

http://www.mgkvponline.com

Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.mgkvponline.com
http://www.mgkvponline.com
http://www.mgkvponline.com